Title: Need to open more wheat procurement centres by the Food Corporation of India (FCI) and to increase the minimum support prices (MSP) of wheat.

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल (जलेसर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान गेहूं के किसान के संदर्भ में भारतीय खाद्य निगम और उत्तर प्रदेश की ओर आकर्ति करना चाहूंगा।

महोदय, उत्तर प्रदेश में गेहूं की लगभग 80 से 90 प्रतिशत बटाई, मढ़ाई और कटाई हो चुकी है और किसान का 90 प्रतिशत गेहूं घर में आ चुका है। शादी-ब्याह का मौसम है और किसान को रुपयों की आवश्यकता है। जो छोटे किसान होते हैं, वे गेहूं बेचकर अपना गुज़ारा करते हैं। भारत सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 610 रुपये से बढ़ाकर 620 रुपये कर दिया है लेकिन केवल 10 रुपये ही बढ़ाया है। मेरा कहना है कि डीज़ल के दाम बढ़ गए, खाद के दाम बढ़ गए, डीएपी और यूरिया के दाम बढ़ गए, कीटनाशक दवाओं के दाम बढ़ गए, पानी का दाम भी बढ़ गया, बिजली महंगी हो गई, लेकिन गेहूं के समर्थन मूल्य में केवल 10 रुपये बढ़ाए हैं।

MR. CHAIRMAN: Prof. S.P. Singh Baghel, you have made your point. There are other Members who want to raise their problems also.

...(*Interruptions*)

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल : मेरा निवेदन है कि गेहूं का समर्थन मूल्य बढ़ाया जाए और जो गेहूं का समर्थन मूल्य 620 रुपये प्रति क्विंटल है, उसके लिए भी क्रय केन्द्र नहीं खुले हैं। गेहूं की खरीद नहीं हो पा रही है और उत्तर प्रदेश में 550 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से गेहूं मारा-मारा फिर रहा है, चाहे जितना खरीद लो। 70 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं का किसान ठगा जा रहा है। 630 रुपए में व्यापारी खरीद रहा है और किसान को 550 रुपए प्रति क्विंटल एफ.सी.आई. की खरीद में पड़ रहे हैं क्योंकि 5 किलो से 15 किलो गेहूं गुणवत्ता के रूप में प्रति क्विंटल एफ.सी.आई. द्वारा काटा जा रहा है। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Please resume your seat now.

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल : महोदय, आपको मालूम ही है कि इस बार गेहूं पतला हुआ है क्योंकि बारिश कम हुई है। इस बार गेहूं की क्वालिटी इनफीरियर है। मेरा आग्रह है कि पर्याप्त मात्रा में गेहूं के क्रय केन्द्र खोले जाएं और किसानों का सारा गेहूं खरीदा जाए। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You have made your point very well. Do not elaborate it further.

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल : महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र जलेसर, सादाबाद, नदौली आदि सभी विकास खंडों में जितने क्रय केन्द्र खोले जाने चाहिए उतने क्रय केन्द्र अभी तक नहीं खोले गए हैं। मेरा आग्रह है कि सभी विकास खंडों में और क्रय केन्द्र खोले जाएं और किसान का सारा गेहूं क्रय किया जाए।â€¦ (व्यवधान)

सभापति महोदय : श्री बघेल कृपया बैठिए। अब यदि आप अपना भाण जारी रखेंगे, तो रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा।

(Interruptions) *

श्रीमती कान्ति सिंह (बिक्रमगंज) : सभापति महोदय, किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके, इसलिए क्रय केन्द्र खोला जाना बहुत जरूरी है। किसान तो वैसे ही बर्बाद हो रहा है और यदि उनकी उपज को नहीं खरीदा जाएगा तो वह और बर्बाद हो जाएगा। â€¦ (व्यवधान)

सभापति महोदय : श्रीमती कान्ति सिंह, कृपया आप बैठिए।